गृह मंत्रालय

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के महेसाणा में गणपत यूनिवर्सिटी के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और PLI जैसी अनेक योजनाओं से भारत को उत्पादन का हब बनाया

आधुनिक शिक्षा व नारी सशक्तिकरण का प्रतीक गणपत यूनिवर्सिटी ने कृषि शिक्षा को प्राथमिकता देकर आधुनिक कृषि को बढ़ावा दिया

कल्चर ऑफ कॉम्पिटीशन की बजाय कल्चर ऑफ कोऑपरेशन के साथ आगे बढ़ें युवा

युवाओं को नोट्स एक्सचेंज करने की जगह, आईडियाज एक्सचेंज और मार्क्स ओरिएंटेड की जगह नॉलेज ओरिएंटेड बनाने की जरूरत है

अपने अंदर के विद्यार्थी को कभी मरने मत देना, क्योंकि विद्यार्थी ही हमेशा प्रगति करता है और जीवन में नए आयाम जोड़ता है

आज दुनिया की हर कंपनी भारत में निवेश और अपनी यूनिट लगाने के लिए लालायित है, इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं

प्रविष्टि तिथि: 16 JAN 2025 8:29PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के महेसाणा में गणपत यूनिवर्सिटी के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के संरक्षक अध्यक्ष श्री गणपत पटेल और गुजरात सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आधुनिक शिक्षा व नारी सशक्तिकरण का प्रतीक गणपत यूनिवर्सिटी की उपस्थिति पूरे गुजरात और सभी गुजरातियों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि आज गणपत यूनिवर्सिटी से 4175 विद्यार्थी शिक्षित और दीक्षित होकर जा रहे हैं। श्री शाह ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपने अन्दर के विद्यार्थी को कभी मरने नहीं दें, क्योंकि विद्यार्थी ही हमेशा प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि पूरा जीवन नया सीखने और नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने की वृत्ति ही मानव जीवन की प्रगति का आधार है।

श्री अमित शाह ने विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद जब वे देश के विकास और करियर बेहतर बनाने के काम में जुटें तो हमेशा इस बात को याद रखें कि हर चीज़ व्यक्ति को कुछ न कुछ सिखाती है। जो आँखें खुली रख कर सीखता रहता है, वह उन्नति और ऊंचाइयां प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को जीवन में ऊंचाइयां प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

गृह मंत्री ने कहा कि गणपत यूनिवर्सिटी ने ढेर सारे तकनीकी पाठ्यक्रमों के साथ-साथ कृषि से जुड़े कोर्स भी शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि आज गणपत यूनिवर्सिटी की ख्याति देश भर में बढ़ी है। यूनिवर्सिटी में 16 डिप्लोमा, 60 अंडर ग्रेजुएट और 60 पीएचडी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश जब आजादी के 75 साल मना रहा था, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश भर के युवाओं को आज़ादी के संघर्ष और आज़ादी के बाद से लेकर अब तक की देश की उपलब्धियों का स्मरण कराया। साथ ही यह संकल्प लेने का भी आह्वान किया कि वर्ष 2047 में जब देश की आज़ादी के 100 साल पूरे होंगे तब भारत दुनिया में हर क्षेत्र में सर्वप्रथम हो। मोदी जी ने कहा था कि अगर देश के 140 करोड़ लोग एक-एक कदम भी एक दिशा में बढाते हैं तो देश 140 करोड़ कदम आगे बढेगा और यही इस देश की ताकत है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले 10 साल में भारत को दुनिया में उत्पादन का केन्द्र बनाने का काम किया है। आज दुनिया की हर एक कंपनी भारत में अपना यूनिट लगाने के लिए लालायित है। जब देश उत्पादन का हब बनता है तब उसका सबसे बड़ा फायदा युवाओं को होता है। श्री शाह ने कहा कि पहले स्टार्ट-अप न के बराबर थे, लेकिन देखते-देखते आज 1000 से ज्यादा यूनिकॉर्न सहित लाखों स्टार्ट-अप हो गए हैं। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया ने युवाओं के लिए ढेर सारे अवसर पैदा किए हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 10 साल के दौरान देश में आठ IIM, सात IIT, दो IISER, एक NIT, 16 IIIT, छह नई सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी और 54 निजी यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है, जिससे लाखों युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के मौके पैदा हुए हैं। वर्ष 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी, लेकिन आज दोगुना बढ़कर 766 है। पहले हर साल 51000 युवा

एमबीबीएस डिग्री लेकर निकलते थे, लेकिन अब प्रति वर्ष एक लाख 15 हज़ार युवाओं को एमबीबीएस डिग्री दी जा रही है। श्री शाह ने कहा कि पहले हर साल 31000 युवाओं को एमडी/एमएस की डिग्री दी जाती थी, लेकिन अब प्रति वर्ष 73000 युवा एमडी/एमएस की डिग्री प्राप्त कर रहे हैं। पिछले 10 साल के दौरान उच्च शिक्षा संस्थानों - नई यूनिवर्सिटी, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी - में लगभग 40 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इससे साबित होता है कि देश के युवाओं के लिए बहुत सारे अवसर पैदा किए गए हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया और ढेर साड़ी PLI योजनाओं के माध्यम से न केवल उत्पादन का हब बनाया, बल्कि करोड़ों युवा तैयार किये हैं जो स्किल्ड होकर देश और दुनिया की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि नोट्स एक्सचेंज करने की बजाय अब देश के युवाओं को आईडियाज एक्सचेंज करने की ज़रूरत है। मार्क्स ओरिएंटेड माइंड की जगह नॉलेज ओरिएंटेड माइंडसेट बनाने की ज़रुरत है और डिग्री की बजाय ज्ञान हासिल करने के लिए ज्यादा पुरुषार्थ करने की ज़रुरत है। कल्चर ऑफ कॉम्पिटीशन की बजाय कल्चर ऑफ कोऑपरेशन के साथ आगे बढना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई अप्रोच और उत्साह के साथ भविष्य युवाओं की राह देख रहा है। श्री शाह ने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि मोदी जी ने जिस विज़न के साथ वर्ष 2047 का रोडमैप बनाया है, वे उसका इस्तेमाल अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए करें।

*****

RK/VV/RR/PR

(रिलीज़ आईडी: 2093574) आगंतुक पटल : 210

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English